

भारत सरकार  
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा  
तारांकित प्रश्न सं० 279\*  
21 दिसंबर, 2023 को उत्तर के लिए  
अभिनव और टिकाऊ निर्माण प्रौद्योगिकी

\*279. श्री भर्तृहरि महताब:

क्या आवासन और शहरी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आवासों के निर्माण के लिए और अधिक अभिनव, टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल और आपदा-रोधी प्रौद्योगिकियों और निर्माण सामग्री को अपनाए जाने में केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों की सहायता किए जाने हेतु क्या उपाय किए गए हैं;

(ख) क्या केन्द्र सरकार का ओडिशा में अफोरडेबल सस्टेनेबल हाउसिंग एक्सलरेटर्स सेंटर खोलने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) नई निर्माण प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितने आवासों का निर्माण किया गया है?

उत्तर  
आवासन और शहरी कार्य मंत्री  
(श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

## विवरण

'अभिनव और टिकाऊ निर्माण प्रौद्योगिकी' के संबंध में लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 279\* दिनांक 21.12.2023 के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क): प्रधान मंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) के तहत, आवासों के तीव्र, लागत प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए निर्माण क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों द्वारा नवीन, स्थायी, पर्यावरण-अनुकूल और आपदा-रोधी प्रौद्योगिकियों और निर्माण सामग्री को बढ़ावा देने और अपनाने के लिए एक प्रौद्योगिकी उप-मिशन (टीएसएम) की स्थापना की गई है। आवासों के अपेक्षाकृत तीव्र और गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए आधुनिक, नवीन और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए टीएसएम के अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियां शुरू की गई हैं:

- i. सार्वजनिक/निजी एजेंसियों द्वारा अपनाए जाने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों की पहचान, मूल्यांकन और प्रमाणन।
- ii. ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज-इंडिया (जीएचटीसी-इंडिया) की शुरुआत विश्व स्तर पर सर्वोत्तम उपलब्ध सिद्ध निर्माण प्रौद्योगिकियों की पहचान करने और उन्हें प्रमुखता से अपनाने के लिए की गई थी जोकि तीव्र, स्थायी, हरित और आपदा रोधी हैं। जीएचटीसी-इंडिया के अंतर्गत, दुनिया भर से 54 नवीन सिद्ध निर्माण प्रौद्योगिकियों को शॉर्टलिस्ट किया गया।
- iii. जीएचटीसी-इंडिया के अंतर्गत शॉर्टलिस्ट की गई छह अलग-अलग प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके छह लाइट हाउस प्रोजेक्ट (एलएचपी) का निर्माण देश में छह स्थानों पर किया गया है।
- iv. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) में नवीन प्रौद्योगिकी विकल्पों को प्रदर्शित करने और पेशेवरों के बीच तकनीकी जागरूकता का प्रसार करने के लिए पीएमएवाई-यू के तहत नई प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए 14 प्रदर्शन आवास परियोजनाएं (डीएचपी) बनाई गई हैं।
- v. अपनाने और प्रतिकृति के लिए एलएचपी में नवीन प्रौद्योगिकियों के उपयोग के विभिन्न चरणों को सीखने के लिए इच्छुक हितधारकों को सिखाने के लिए टेक्नोग्राहियों का एक मुफ्त ऑनलाइन नामांकन शुरू किया गया है।
- vi. नई और उभरती निर्माण सामग्री, प्रौद्योगिकियों और निर्माण प्रक्रियाओं के बारे में निर्माण पेशेवरों की क्षमता बढ़ाने के लिए नवरीति (भारतीय आवास के लिए नई, किफायती, मान्य, अनुसंधान नवाचार प्रौद्योगिकी) नामक एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू किया गया है।

- vii. 2021 में भारतीय आवास प्रौद्योगिकी मेला (आईएचटीएम) का आयोजन कम और मध्यम ऊंचाई वाले घरों के लिए घरेलू स्वदेशी और नवीन प्रौद्योगिकियों, निर्माण सामग्री और निर्माण प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने के लिए किया गया था। आईएचटीएम के अंतर्गत 84 नवीन प्रौद्योगिकियों/ उत्पादों/ सामग्रियों को शॉर्टलिस्ट किया गया था। इसके अलावा, भारतीय शहरी आवास कॉन्क्लेव (आईयूएचसी) 2022 के अंतर्गत, 85 से अधिक नवीन निर्माण प्रणालियों और सामग्रियों को प्रदर्शित करने के लिए नवीन निर्माण प्रथाओं पर एक राष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था।
- viii. आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने जीआईजेड और बीएमटीपीसी के सहयोग से किफायती आवास के लिए नवोन्वेषी निर्माण प्रौद्योगिकियों और थर्मल कम्फर्ट पर रचना (राष्ट्रीय कार्रवाई के माध्यम से अनुकूल, किफायती और आरामदायक आवास) नामक प्रशिक्षण/ कार्यशालाओं की श्रृंखला की मेजबानी की है। देश भर में 150 से अधिक रचना प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं, जिसमें 11,000 से अधिक हितधारकों को शामिल किया गया है।
- ix. देश की विभिन्न भू-जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल उभरती प्रौद्योगिकियों की पहचान, मूल्यांकन और प्रमाणन के लिए प्रदर्शन मूल्यांकन प्रमाणन योजना (पीएसीएस) संचालित की जा रही है, जो सुरक्षित, स्थायी और पर्यावरण के अनुकूल हैं और बीएमटीपीसी, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता वाले आवासों की तेजी से सुपुर्दगी सुनिश्चित करती है। पीएसीएस के अंतर्गत अब तक 77 नवीन उत्पादों और प्रणालियों को प्रमाणित किया जा चुका है।
- x. नवीन निर्माण प्रौद्योगिकियों पर क्षमता निर्माण और सहायता के लिए राज्य सरकारों के साथ संयुक्त रूप से ऑफसाइट कार्यशालाओं/ वेबिनार, वेबकास्टिंग, तकनीकी जानकारी/मॉड्यूल पर मार्गदर्शन हेतु एक श्रृंखला आयोजित की गई थी।
- xi. नवीन निर्माण प्रौद्योगिकियों और अपेक्षाकृत तीव्र, लागत प्रभावी, पर्यावरण अनुकूल, आपदा-प्रतिरोधी, सतत निर्माण से संबंधित अन्य क्षेत्रों पर विभिन्न प्रकाशन।

(ख) और (ग): जी नहीं। किफायती स्थायी आवास त्वरक-भारत (आशा-भारत) का आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा पीएमएवाई-यू के टीएसएम घटक के तहत शुभारंभ किया गया था ताकि आवास क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उद्यमियों को उनके उत्पादों और सेवाओं को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करके इस क्षेत्र में आगामी भारतीय व्यक्तियों या प्रौद्योगिकी उद्यमों को सभी सुविधाएं प्रदान की जा सकें। आशा के अंतर्गत चयन, मंत्रालय द्वारा आमंत्रित आवेदनों पर आधारित था। संबंधित संस्थानों/प्रयोगशालाओं द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर, चयनित संभावित प्रौद्योगिकियों को वर्तमान में विभिन्न संस्थानों जैसे कि बंबई, खडगपुर, मद्रास, रूडकी के भारतीय

प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और सीएसआईआर-उत्तर पूर्व विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (एनईआईएसटी) के माध्यम से इन्व्यूबेशन सहायता मिल रही है।

(घ): पीएमएवाई-यू के अंतर्गत अब तक देश में नई निर्माण प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके निर्मित आवासों का राज्य-वार विवरण **अनुलग्नक** में है।

\*\*\*\*

दिनांक 21.12.2023 के लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 279 के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पीएमएवाई-यू के तहत अब तक देश में नई निर्माण प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके निर्मित आवासों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	ईपीएस और अन्य सैंडविच पैनल	मोनोलिथिक आरसीसी एल्यूमिनियम प्रोमवर्क का उपयोग करते हुए	मोनोलिथिक आरसीसी टनल प्रोमवर्क का उपयोग करते हुए	प्रीकास्ट आरसीसी तकनीक	प्रीकास्ट आरसीसी (वेफल क्रेट)	एसएलआई पी प्रोमवर्क	फ्लाइ ऐश होलोब्लाक्स	प्रीकास्ट 3 डी वोल्यूमेट्रिक टेक्नोलॉजी	फेब्रिकेटिड इस्पात संरचना	प्लेस फोरमवर्क प्रणाली में संरचनात्मक स्टे	लाइट गेज स्टील फ्रेम संरचना (एलजीएसएफ)	ग्लास फाइबर प्रबलित जिप्सम (जीएफआरजी) पैनल	संस्वीकृत सभी मकानों
1	आंध्र प्रदेश	192	7,01,481	-	2,336	-	-	-	-	-	-	-	36	7,04,045
2	बिहार	-	-	-	-	-	-	-	-	-	36	-	-	36
3	छत्तीसगढ़	-	6,882	-	11,111	-	-	-	-	-	-	-	-	17,993
4	दिल्ली	-	17,412	-	73,496	-	-	-	-	-	-	-	-	90,908
5	गुजरात	-	47,606	1,144	-	6,953	-	-	-	-	-	-	-	55,703
6	हरियाणा	-	14,700	-	10,750	-	-	-	-	-	-	-	-	25,450
7	हिमाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-	-	-	249	-	-	-	249
8	झारखंड	-	-	750	40,665	-	-	-	1,008	-	-	-	-	42,423
9	कर्नाटक	-	29,074	-	12,555	-	133	-	1,520	-	-	-	-	43,282
10	मध्य प्रदेश	1,024	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1,024
11	महाराष्ट्र	-	1,25,221	32,031	2,49,225	-	3,099	864	-	-	-	-	-	4,10,440
12	ओडिशा	32	-	-	7,762	-	-	-	-	-	-	-	-	7,794
13	पुदुचेरी	-	1,136	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1,136
14	तमिलनाडु	-	21,428	532	3,664	-	-	-	-	-	-	-	-	25,624
15	तेलंगाना	-	12,316	8,739	-	-	-	-	-	-	16	16	-	21,087
16	त्रिपुरा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1,000	-	1,000
17	उत्तर प्रदेश	40	12,572	-	61,782	-	-	-	-	-	1,040	-	-	75,434
18	उत्तराखंड	-	2,187	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2,187
19	पश्चिम बंगाल	-	12,601	-	-	-	58	-	-	-	-	-	-	12,659
	<b>कुल</b>	<b>1,288</b>	<b>10,04,616</b>	<b>43,196</b>	<b>4,73,346</b>	<b>6,953</b>	<b>3,290</b>	<b>864</b>	<b>2,528</b>	<b>249</b>	<b>1,092</b>	<b>1,016</b>	<b>36</b>	<b>15,38,474</b>

\*\*\*\*\*